Sir. A sum of Rs. 3·5 crores has been sanctioned for strengthening of the Section between Kishangunj and Amingaon.

(b) Generally, works of improvements to bridges including additional protective works for bridges and vulnerable sections are being undertaken for the strengthening of the link.

Mechanised Farms

*440. **Shri Balarama Krishnaiah:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the setting up of mechanised farms does not provide an appropriate pattern for settling landless agricultural workers;

(b) if so, whether this conclusion has been reached by the Government in the light of experiences from central mechanised farm at Bhopal; and

(c) the reason as to why the resettlement programme has not been successful at Bhopal?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) to (c). Mechanised farming has not been found suitable in the case of the farms on which a large number of peasants are to be settled permanently as hereditary owners of small plots. This conclusion was reached in 1955 after a careful re-examination of certain provisions of the original scheme for the Central Mechanised Farm, Bhopal. The scheme was suitably modified and the settlement programme has been completed successfully in accordance with the revised scheme. 469 families of landless agricultural workers have been settled at the Central Mechanised Farm, Bhopal by April, 1957.

हिमाचल प्रदेश में सिंचाई

*४४१. **श्री पद्म देव** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रथम पंचवर्षीय योजना-काल में हिमाचल प्रदेश में सिंचाई पर कुल कितना व्यय हुआ ;

(ख) इस अवधि में कितनी नहरें बनाई गईं जो कि अब चल रही हैं ;

(ग) शेष नहरें चालू न होने के क्या कारण हैं ; और

(घ) इन नहरों को भविष्य में ठीक प्रकार से चलाने के लिये क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) (क) से (घ) . सभा के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट II, अनुबन्ध संख्या १३]

हिमाचल प्रदेश में सामुदायिक विकास खण्ड और राष्ट्रीय विस्तार सेवा खण्ड

*४४२. **श्री नेक राम नेगी** : क्या सामुदायिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश में सामुदायिक विकास खण्डों और राष्ट्रीय विस्तार सेवा खण्डों में कार्य प्रारम्भ हो चुका है ;

(ख) हिमाचल प्रदेश में प्रत्येक खण्ड किस तारीख को खोला गया था ; और

(ग) हिमाचल प्रदेश के विकास विभाग द्वारा कितनी जीपें काम में लाई जा रही हैं और इन जीपों पर प्रत्येक खण्ड में कितना व्यय हो रहा है ?

सामुदायिक विकास मंत्री (श्री सु० कु० डे०): (क) हिमाचल प्रदेश का सारा सीमा-प्रान्त अभी तक सामुदायिक विकास खण्डों तथा राष्ट्रीय विस्तार खण्डों के कार्यक्रम के अन्तर्गत नहीं लाया गया है ।

(ख) और (ग). एक विवरण जिनमें सम्बन्धित सूचनायें दी हुई हैं सभा के पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट II, अनुबन्ध संख्या १४]